RAC-001-001619

Seat No. _____

B. A. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March - 2019

Hindi

(Ritikalin Hindi Kavya Bhag - 2) (Optional)

(घनानन्द एवं मिर्ज़ा असदुल्ला खाँ गालिब)

(New Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001619

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (1) इस प्रश्नपत्र में विकल्प सहित कुल पाँच प्रश्न हैं।
(2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, जो उनके सामने दाहिनी ओर निर्दिष्ट कर दिए गए हैं।

1 ''घनानन्द केवल उत्तर मध्यकालीन रीतिमुक्त स्वच्छन्द काव्य–धारा के ही नहीं प्रत्युत समूचे रीतिकाल के एक अन्यतम तथा सर्वोत्कृष्ट कवि हैं''। उनके भाव–सौन्दर्य–विधान तथा अभिव्यंजना–कौशल के परिप्रेक्ष्य में इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए। **14**

अथवा

1 ''प्रेम और विरह की जितनी स्वाभाविक और व्यापक अनुभूति घनानन्द के काव्य में मिलती है, उतनी किसी अन्य रीतिकालीन कवि में नहीं मिलती।'' इस विधान की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए। **14**

2 घनानन्द को आप भक्त कवि कहेंगे या श्रृंगारी? इस पर आप अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **14**

अथवा

2 ''अपनी भावनाओं के अनूठे रूप–रंग की व्यंजना के लिए भाषा का ऐसा बेधड़क प्रयोग करनेवाला हिन्दी के पुराने कवियों में दूसरा नहीं हुआ है।'' युक्तियुक्त इसकी सार्थकता सिद्ध कीजिए। **14**

3 मिर्ज़ा असदुल्ला खाँ ग़ालिब के जीवन–वृत्त और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। **14**

अथवा

3 ''उर्दू काव्य के क्षेत्र में एक नये युग का प्रवर्तन कराने वाले मिर्ज़ा ग़ालिब न केवल एक महान शायर थे, अपितु एक भरपूर इंसान भी थे।'' इस विधान की युक्तियुक्त चर्चा करते हुए उनके जीवन–दर्शन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **14**

4 परिभाषा सहित गज़ल के स्वरूप को प्रस्तुत करते हुए मिर्ज़ा ग़ालिब की गज़ल गोई की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। **14**

अथवा

4 ''मिर्ज़ा ग़ालिब एक ऐसे तत्त्ववेत्ता तथा चिन्तक शायर थे, जिनकी आस्था हुस्नोइश्क़, साक़ी–शराब, जन्नत, खुदा और शाइरी सबसे डिगी हुई थी। उनकी शाइरी में उनकी इसी डिगी हुई आस्था को वाणी प्राप्त हुई है।'' इस कथन पर सतर्क अपने विचार प्रकट कीजिए। **14**

5 निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : **14**

(1) घनानन्द का प्रकृति–चित्रण।

(2) घनानन्द की सुजान।

(3) ग़ालिब का हास्य–व्यंग्य।

(4) ग़ालिब का अभिव्यंजना–कौशल।